



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-10062021-227475  
CG-DL-E-10062021-227475

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2025]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 8, 2021/ज्येष्ठ 18, 1943

No. 2025]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 8, 2021/JYAISHTHA 18, 1943

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 2021

का.आ. 2185(अ).—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, को पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, जनसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, उस तारीख से, जिसको इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दी जाती हैं, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

ऐसा कोई व्यक्ति, जो प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव देने का इच्छुक है, वह विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए अपनी आपत्ति या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को लिखित रूप में या ई-मेल esz-mef@nic.in पर भेज सकता है।

### प्रारूप अधिसूचना

जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य कर्नाटक के चित्रादुर्गा तालुक, चित्रादुर्गा जिले में स्थित है और 13° 34' 01.5" उ अक्षांश और 76° 17' पू देशांतर के बीच स्थित है। इस अभयारण्य के दो खंड अर्थात् जोगीमत्ती खंड और कीनेडलू खंड हैं। यह क्षेत्र पहले महामहिम महाराजा मैसूर की सरकार द्वारा मैसूर वन अधिनियम (1900 का XI) की धारा 17 के तहत अधिसूचना ए.एफ.144-एफटी-142-38-8 दिनांक 8 जुलाई, 1940 द्वारा जोगीमत्ती राज्य वन के रूप में गठित किया गया था, जिसका विस्तार 38.8 वर्ग मील एवं 10048.97 हेक्टेयर या 100.48 वर्ग किलोमीटर था। अब इस वन को वन पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा अधिसूचना सं.एफईई 77 एफडब्ल्यूएच 2015 बैंगलूरू दिनांक 23 दिसंबर, 2015 द्वारा जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया;

और, जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के वनों में लुप्तप्राय तेंदुआ (पेन्थेरा प्रज्यूस), रीछ (मेलर्सस अरसिनस), मयूर (पावो क्रिस्टेटस) की कुछ जंगली आबादी जीवित है, जो क्षेत्र के लिए स्थानिक हैं और विभिन्न प्रकार के बढ़ते खतरों का सामना कर रहे हैं। इसलिए ऐसी प्रजातियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-1 के अधीन उन्हें उच्चतम सुरक्षा प्रदान की गई है;

और, जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य में मुख्य वनस्पति में एकाकिया लतरोनुम (होट्टेजाली), एकाकिया ल्यूकोफोइया (बिली जेल), एकाकिया पेन्नाटा (काडु सेगे), अलबिजिया प्रोसेरा (बेलटी, सफेद सिरीस), अब्रस प्रेटोरियस (गुलगांजी), एलो वेरा (लोलेसरा), बौहिनिया पुरुरेया (डोडुबासावानपाडा), बुटेया मोनोस्पर्म (मुट्टुगा), कैसिया औरिकुलाटा (थंगाडी), करिस्सा करांडस (कवाले), (चेल्ले), डालबर्गिया लैटफोलिया (रोसेबुड, बीटे), डेंड्रोकलमस स्ट्रिक्टस (मारे बम्बू), यूफोरबिया निबुलिया (कल्ली), एरीथ्रोक्सिलों मोनोगीनुम (देवद्री, ददयारी), फिकस गलोमेराटा (अट्टी), ग्रेविया टिलियाफोलिया (तडासालु, जने), जिन्नोस्पोरिया मोन्टाना (थोंडरसी, दंती), हार्डविकिया बिनाटा (कामारा, अंजियान), लैंटाना कैमारा (लांटाना), मोरिंडा टिनक्टरिया (फादु कुम्बाला), मेलिया अज्जादिराच (अरेबेवु, हचबेवु), नेरियम अडोरम (कानागला), पोंगामिया पिनाटा (होंगे, कानिगे), प्रोसोपिस जूलिफ्लोरा (बेल्लारी जेल), सेमेकार्पस एनाकार्डियम (गेरू, मार्किंग नट), स्टीरियोस्पर्मम चेलोनोइड्स (उडेड), टर्मिनलिया टोमेंटोसा (करीमट्टी), टेरामेलेस नुडिफ्लोरा (कदबेदे), जिजिफस जपैरुस (गोट्टे), आदि पाए जाते हैं;

और, जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के अभिलिखित महत्वपूर्ण औषधीय पौधे एकालयफा इंडिका, एकाकिया निलोटीका, एलबिजिया लेब्बेक, एमारांथुस, अस्पारागुस राकेमोसुस, बम्बुसा ओरंडिनाकिया, केस्सिया फिस्तुला, धतूरा इन्नोक्विया, डोडानिया विस्कोसा, एरिथ्रिना इंडिका, ल्यूकस एस्पेरा, मिमोसा पोउडिका, मिराबिलिस जालापा, मुरारिया कोइनिगी, पांडानुस फस्किकुलारिस, पलुमारिया अकुमिनाटा, पसिडियम गुअजावा, क्रिसकालिस इंडिका, सारकोस्टेम्मा अकिदुम (रोक्व.), सोलानम निगरूम, आदि हैं;

और, जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य में मुख्य जीवजंतु में काला हिरण (एंटीलोपे केरविकापरा), सामान्य लंगूर (प्रेस्विटिस इंटेल्सुस), सामान्य लोमड़ी (वुल्फेस बेंगालेंसिस), फ्रूट बैट (चिरोपटेरा), चित्तीदार लकड़बग्घा (हाइना हाइना), भारतीय खरगोश (लेपस निग्रिकोलिस), भारतीय साही (हिस्ट्रीक्स इंडिका), भारतीय भेड़िया (कैनिस ल्यूपस पल्लीपीज़), सियार (कैनिस ऑरियस), जंगली बिल्ली (फेलिस चौस), तेंदुआ (पेन्थेरा प्रज्यूस), रीछ (मेलर्सस अरसिनस), चित्तीदार लकड़बग्घा (हैना हैना), बनैला सूअर (सस स्क्रोफ़ा), ऐश ब्रेन वार्वलर (प्रिनिया सोथलिस), ब्लैक विंगड काइट (इलानुस कैरुलुस), ब्लू पिजन (कोलुम्बा लिविया), ब्लैक हेडेड ओरिओल (ओरिओलुस ज़ैथॉर्नस), कौवा तीतर (सेंट्रोपस साइनेंसिस), सामान्य मैना (एक्रिडोथेरेस ट्रिस्टिस), कैटल एग्रेट (बैबुलस इबिस), सामान्य किंगफिशर (एल्सेडो ए ग्रे वैगटेल (मोटासिला कैस्पिका), ग्रेट होर्नेड उल्लू (बुबो बुबो), गोल्डन बैकड वुड पेकर (डिनोपियम बेंगालेंसिस), भारतीय रोबिन (सैक्सिकलोईड्स फुलिकटा), जंगल मैना (एक्रिडोथेरेस फ्यूसेन्स), कोयल (यूडायनेमिस स्कोलोपेसिया), मुनिया (लॉचुरा

स्पा.), परिअह काइट (मिलनस माइग्रेंस), लाल कछुआ कबूतर (स्टेरेप्टोपेलिया स्पा), व्हिस्टलिंग थ्रश (मायिओफोनेउस होरसफिएल्डी), गिरगिट (चमेलेओन कैलकेरेटस), क्रेट (वेंगरस सेरुलेस), अजगर (पायथोनिडेया) आदि पाए जाते हैं ;

और, जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र, जिसका विस्तार और सीमाएं इस अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में विनिर्दिष्ट हैं, को पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय और जैव-विविधता की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों की श्रेणियों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियमावली, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इस अधिसूचना में इसके पश्चात् पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1); तथा धारा 3 की ही उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) एवं उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्नाटक राज्य के चित्रादुर्गा जिला में जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 575 मीटर से 1.00 किलोमीटर तक भिन्न-भिन्न विस्तारित क्षेत्र को जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमा- (1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 575 मीटर से 1.00 किलोमीटर तक है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 95.53 वर्ग किलोमीटर है।
  - (2) जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण अनुलग्नक-I के रूप में संलग्न है।
  - (3) सीमा विवरण और अक्षांशों और देशांतरों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन को सीमांकित करते हुए जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के मानचित्र अनुलग्नक-IIक, अनुलग्नक-IIख और अनुलग्नक-IIग के रूप में संलग्न है।
  - (4) जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य और पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची अनुलग्नक-III की सारणी क और सारणी ख में दी गई है।
  - (5) मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची अनुलग्नक-IV के रूप में संलग्न है।
  - (6) जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य, कर्नाटक के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सर्वेक्षण संख्या वार विवरण अनुलग्नक-V के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना- (1) राज्य सरकार, द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए, राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनार्थ एक आंचलिक महायोजना बनाई जायेगी।

- (2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट रीति से तथा प्रासंगिक केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप तथा केंद्रीय सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों, यदि कोई हों, के अनुसार बनायी जाएगी।
- (3) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी सरोकारों को शामिल करने के लिए इसे राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से बनाया जाएगा, अर्थात्:-

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) राजस्व;
- (v) शहरी विकास;
- (vi) पर्यटन;
- (vii) ग्रामीण विकास;
- (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (ix) नगरपालिका;
- (x) पंचायती राज;
- (xi) लोक निर्माण विभाग।

- (4) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, आंचलिक महायोजना में वर्तमान में अनुमोदित भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा तथा आंचलिक महायोजना में सभी अवसंरचनाओं और क्रियाकलापों में सुधार करके उन्हें अधिक दक्ष और पारिस्थितिकी-अनुकूल बनाने की व्यवस्था की जाएगी।
- (5) आंचलिक महायोजना में वनरहित और अवक्रमित क्षेत्रों के सुधार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, जलग्रहण क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भू-जल के प्रबंधन, मृदा और नमी के संरक्षण, स्थानीय जनता की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं की व्यवस्था की जाएगी जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।
- (6) आंचलिक महायोजना में सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों एवं शहरी बस्तियों, वनों की श्रेणियों एवं किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, उद्यानों एवं उद्यानों की तरह के हरित क्षेत्रों, बागवानी क्षेत्रों, बगीचों, झीलों और अन्य जल निकायों की सीमा का सहायक मानचित्र के साथ निर्धारण किया जाएगा और योजना में मौजूदा और प्रस्तावित भू-उपयोग की विशेषताओं का ब्यौरा देते हुए मानचित्रों को भी दर्शाया जाएगा।
- (7) आंचलिक महायोजना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन में होने वाले विकास का विनियमन किया जाएगा और सारणी में यथासूचीबद्ध पैराग्राफ 4 में प्रतिषिद्ध एवं विनियमित क्रियाकलापों का पालन किया जाएगा। इसमें स्थानीय जनता की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी-अनुकूल विकास का भी सुनिश्चय एवं संवर्धन किया जाएगा।
- (8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना की सह-कालिक होगी।
- (9) अनुमोदित आंचलिक महायोजना, निगरानी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी ताकि वह इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सके।

3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.- राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

- (1) भू-उपयोग.- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के लिए चिन्हित उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन अनुमत नहीं किया जाएगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर ऊपर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, निगरानी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुमत किया जाएगा जैसे:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का निर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार और स्थानीय सुविधाएं तथा गृह वास; और
- (v) पैराग्राफ-4 में उल्लिखित बढ़ावा दिए गए क्रियाकलाप:

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुमत नहीं होगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में वनीकरण तथा पर्यावासों की बहाली के कार्यकलापों से पुनः वनीकरण के प्रयास किए जाएंगे।

- (2) **प्राकृतिक जल निकाय.-** सभी प्राकृतिक जलमार्गों के जलग्रहण क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार द्वारा दिशा-निर्देश इस रीति से तैयार किए जाएंगे कि उसमें ऐसे क्षेत्रों में या उसके पास विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

- (3) **पर्यटन एवं पारिस्थितिकी पर्यटन.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन संबंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुमत होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन के आधार पर तैयार की जायेगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात्:-

- (i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी होटल या रिजॉर्ट का नया सन्निर्माण अनुमत नहीं किया जाएगा: परंतु यह, पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुमत होगी;
- (ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार होगा;
- (iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुमत किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/ रिजॉर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का सन्निर्माण अनुमत नहीं होगा।
- (4) **प्राकृतिक विरासत.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।
- (5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबंधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।
- (6) **ध्वनि प्रदूषण.**— पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण किया जाएगा।
- (7) **वायु प्रदूषण.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (8) **बहिस्त्राव का निस्सरण.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सरण, पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सरण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।
- (9) **ठोस अपशिष्ट.**— ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-
- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन (ईएसएम) अनुमत किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुमत किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.-** सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, निगरानी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की निगरानी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.-** वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा और स्वच्छतर ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.-** (क) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई नए प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

- (ख) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी समय-समय पर यथा संशोधित मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

- (क) आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी;
- (ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन अधिसूचना, 2011 एवं

पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

### सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टिप्पणी (3)
<b>क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप</b>		
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां।	(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और बृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होंगी;  (ख) खनन प्रचालन, 1995 की रिट याचिका (सिविल) सं. 202 में टी.एन. गौडावर्मन थिरूमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश 4 अगस्त, 2006 और 2012 की रिट याचिका (सिविल) सं. 435 में गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में होगा।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि, आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी:  परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी समय-समय पर यथा संशोधित मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	नए बृहत एवं लघु एवं छोटे जल विद्युत परियोजना की स्थापना एवं विस्तार।	प्रतिषिद्ध।
4.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से गर्म वायु के गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स उड़ाना आदि।	प्रतिषिद्ध।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सरण।	प्रतिषिद्ध।
6.	फर्मों, कारपोरेट और कंपनियों	प्रतिषिद्ध।



	द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	
7.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुमत नहीं होगा।
8.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	प्रतिषिद्ध।
9.	भूमिगत पाइपलाइनों का रेलवे, रोपवे।	प्रतिषिद्ध।
10.	पाइपलाइनें और कैनल।	प्रतिषिद्ध।
11.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का प्रयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	प्रतिषिद्ध।
12.	11ए बिजली के बाड़।	प्रतिषिद्ध।
13.	ईट भट्टों की स्थापना करना।	प्रतिषिद्ध।
<b>ख. विनियमित क्रियाकलाप</b>		
14.	होटलों और रिसोर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों हेतु लघु अस्थायी संरचनाओं के निर्माण के सिवाय, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, नए वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना अनुमत नहीं होगी: परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर बाहर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, पर्यटन महायोजना और लागू दिशानिर्देशों के अनुसार सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप करने या विद्यमान क्रियाकलापों का विस्तार करने की अनुज्ञा होगी। यथा लागू विधियों के अनुसार होटलों और लॉज के मौजूदा परिसर की बाड़ लगाने को नियंत्रित किया जाता है।
15.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार का नया वाणिज्यिक निर्माण अनुमत नहीं किया जाएगा: परंतु स्थानीय लोगों को पैराग्राफ 3 के उप पैराग्राफ (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित उनके उपयोग के लिए उनकी भूमि में स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने लिए निर्माण करने की अनुमति भवन उपविधियों के अनुसार दी जाएगी। (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण; (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुख-सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण; (iii) फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी, समय-समय पर यथा संशोधित उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार परिभाषित गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योग; (iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग हैं; सुविधा भण्डार

		<p>और स्थानीय सुख सुविधाओं जो पारिस्थितिकी पर्यटन में जिस में ग्रह वास भी है सहायक हो; और</p> <p>(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:</p> <p>परन्तु ऐसे लघु उद्योगों जो प्रदूषण उत्पन्न नहीं करते हैं, से संबंधित निर्माण क्रियाकलाप विनियमित किए जाएंगे और लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से ही न्यूनतम पर रखे जाएंगे।</p> <p>(ख) एक किलोमीटर से आगे आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।</p>
16.	गैर प्रदूषणकारी लघु उद्योग।	<p>फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी, समय-समय पर यथा संशोधित उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, बागवानी या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।</p>
17.	वृक्षों की कटाई।	<p>(क) राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन भूमि या सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं होगी।</p> <p>(ख) वृक्षों की कटाई केंद्रीय या संबंधित राज्य के अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार विनियमित होगी।</p>
18.	वन उत्पादों और गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
19.	विद्युत और संचार टॉवर लगाने, तार-बिछाने तथा अन्य बुनियादी ढांचे की व्यवस्था।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा (भूमिगत केबल बिछाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
20.	कंपनियों या फर्मों या कॉर्पोरेट घरानों द्वारा वाणिज्यिक होटलों या रिसोर्ट और वाणिज्यिक कृषि और बागवानी उद्यमों के परिसर में बाड़ लगाना।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनीकरण उपाय किए जाएंगे।
21.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ बनाना और नई सड़कों का निर्माण।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार न्यूनीकरण उपाय किए जाएंगे।
22.	ग्राम सड़कों का रखरखाव।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
23.	पहाड़ी ढलानों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
24.	रात्रि में वाहन यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होगा।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
26.	निर्वाह उपयोग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।

	उपयोग।	
27.	सतही और भूजल का वाणिज्यिक का निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
28.	वाहन द्वारा वायु प्रदूषण।	विनियमित और समुचित प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से मानीटरी की जाएगी।
29.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
30.	पोलिथीन बैगों का उपयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
31.	वाणिज्यिक संकेत बोर्ड और होर्डिंग का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
32.	स्थानीय जनता द्वारा अपनायी जा रही वर्तमान कृषि और बागवानी पद्धतियों के साथ डेयरियां, दुग्ध उत्पादन, जल कृषि और मत्स्य पालन।	स्थानीय जनता के प्रयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुमत होंगे।
33.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सरण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सरण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सरण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
34.	ठोस अपशिष्ट का प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
35.	कृषि और अन्य उपयोग के लिए खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होगा।
36.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा।	लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध दिशानिर्देशों के साथ न्यूनीकरण उपाय करना।
<b>ग. संबन्धित क्रियाकलाप</b>		
37.	वर्षा जल संचय।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी का अंगीकरण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
40.	ग्रामीण कारीगरी सहित कुटीर उद्योग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
41.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का प्रयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को सक्रिय बढ़ावा दिया जाएगा।
42.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
43.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
44.	पारिस्थितिकी अनुकूल यातायात का प्रयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
45.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
46.	अवक्रमित भूमि/वनों/ पर्यावासों की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
47.	पर्यावरण के प्रति जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

**5. पारिस्थितिकी-संवेदी जोन अधिसूचना की निगरानी के लिए निगरानी समिति.-** पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के तहत इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी निगरानी के लिए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा एक निगरानी समिति का गठन करेगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात्:

क्र.सं.	निगरानी समिति का गठन	पद
(i)	क्षेत्रीय आयुक्त, बेंगलुरु	अध्यक्ष, पदेन;
(ii)	उप-आयुक्त, चित्रादुर्गा जिला	सदस्य;
(iii)	पुलिस अधीक्षक-चित्रादुर्गा जिला	सदस्य;
(iv)	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि	सदस्य;
(v)	पशुपालन विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य;
(vi)	लघु सिंचाई विभाग के प्रतिनिधि	सदस्य;
(vii)	कर्नाटक राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(viii)	कर्नाटक राज्य वन विभाग द्वारा नामित प्राकृतिक संरक्षण (विरासत संरक्षण सहित) के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि	सदस्य;
(ix)	वन्यजीव वार्डन- कोई अन्य विशेषज्ञ	सदस्य;
(x)	उप वन संरक्षक, प्रादेशिक प्रभाग, चित्रादुर्गा	सदस्य-सचिव

**6.विचारार्थ विषय:-** (1) निगरानी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की निगरानी करेगी।

- (2) निगरानी समिति का कार्यकाल अगले आदेश होने तक किया जाएगा, परंतु यह कि समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।
- (3) भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आने वाले क्रियाकलापों और इस अधिसूचना के पैराग्राफ 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध गतिविधियों के सिवाय आने वाले ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति लेने के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट की जाएगी।
- (4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (5) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम की धारा 19 के अधीन परिवाद दायर करने के लिए सक्षम होगा।
- (6) निगरानी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।

- (7) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को, अनुलग्नक-VI में दिए गए प्रपत्र के अनुसार, उस वर्ष की 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।
- (8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय निगरानी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगा जो वह उचित समझे।

**7. अतिरिक्त उपाय.-** इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

**8. उच्चतम न्यायालय, आदि के आदेश.-** इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अध्यक्षीन होंगे।

[फा. सं. 25/11/2020-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढकोटी, वैज्ञानिक 'जी'

अनुलग्नक- I

**कर्नाटक राज्य में जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण**

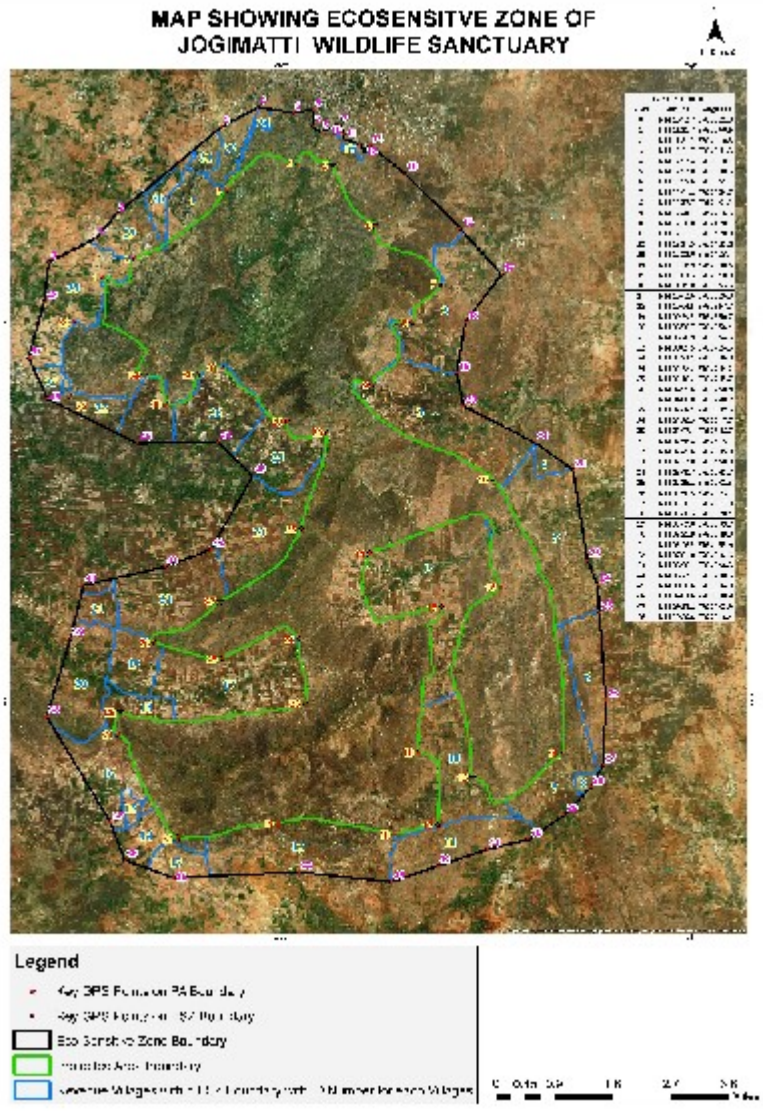
उत्तर:	<p>चित्रादुर्गा (टी क्यू) के जनूकोंदा के सर्वे सं.49 की दक्षिण-पश्चिम सीमा से आरंभ होकर, रेखा जगदलीपुरा चित्रादुर्गा (टी क्यू) के सर्वे सं.8 के दक्षिण-पश्चिम कोने में बिंदु से मिलने के लिए, होललकेरे-चित्रादुर्गा सड़क के साथ लगभग 1300 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर होते हुए जाती है। इसके बाद रेखा जगलीपुरा के सर्वे सं.11 में बिंदु से मिलने के लिए, होललकेरे-चित्रादुर्गा सड़क के साथ लगभग 800 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा कीराबानाकल्लू के सर्वे सं.10 के उत्तर-पूर्व कोने में बिंदु से मिलने के लिए, जगदलीपुरा के सर्वे सं.11,32 और 1 से होते हुए और चित्रादुर्गा (टी क्यू) के अट्टीकट्टे ग्राम के सर्वे सं. 15, 9,8,7,6 और 3 और कोराबानाकल्लू के सर्वे सं 13,11 और 10 और लगभग 3300 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। रेखा उसी (टी क्यू) के निरालागुंदी ग्राम के सर्वे सं.1 के पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा (टी क्यू) के हुलीगुंदी ग्राम के सर्वे सं.1,6,10 से होते हुए लगभग 1000 मीटर उत्तर-पूर्व जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा के सर्वे सं.37 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, लगभग 848 मीटर निरालागुंदी और चित्रादुर्गा किले के सर्वे सं.1 से होते हुए दक्षिण-पूर्व जाती है। इसके बाद रेखा किले की सीमा से मिलकर लगभग 810 द्वारा लगभग 500 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है, इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा के सर्वे सं.12 के उत्तर कोने के बिंदु से मिलने के लिए, किले की सीमा के साथ लगभग 428 मीटर दक्षिण की ओर जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा के सर्वे सं.73 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, लगभग 232 मीटर दक्षिण पूर्व ओर जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा के सर्वे सं.13 के उत्तर कोने के बिंदु से मिलने के लिए, लगभग 493 मीटर की उत्तरी सीमा के साथ उत्तर पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा के सर्वे सं.54 के पश्चिमी कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा और केलागोटे ग्रामों की सामान्य सीमा के साथ लगभग 1350 मीटर जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा (टीक्यू) के इंगालादालू ग्राम के सर्वे सं.32 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा के सर्वे सं.33 से होते हुए लगभग 3050 मीटर दक्षिण पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा इंगालादालू के सर्वे सं.14 के दक्षिण पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, इंगालादालू ग्राम के सर्वे सं 32, 33,15 और 26 से होते हुए लगभग 1500 मीटर दक्षिण पूर्व की ओर जाती है।</p>
--------	--

<p><b>पूर्व:</b></p>	<p>इसके बाद रेखा इंगालादलू ग्राम के सर्वे सं.62 के उत्तर पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा (टीक्यू) इंगालादलू ग्राम के सर्वे सं. 63, 18 एवं 19 से होते हुए लगभग 1500 मीटर दक्षिण- पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा चित्रादुर्गा (टीक्यू) के कुरूमारादीकेरे ग्राम के सर्वे सं.1 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं. 58,90,59,61 और 62 से होते हुए लगभग 1300 मीटर दक्षिण-पश्चिम की ओर जाती है। रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.27 के दक्षिण-पूर्व के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा (टीक्यू) के कुरूमारादीकेरे ग्राम के सर्वे सं. 1,57,66 और 65 से होते हुए लगभग 846 मीटर कुछ दक्षिण-पूर्व की ओर जाती है। रेखा कुरूमारादीकेरे ग्राम के सर्वे सं.46 के पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, कुरूमारादीकेरे के सर्वे सं.16,87,14,86,93 ,91 और 46 से होते हुए लगभग 2000 मीटर दक्षिण-पूर्व की ओर जाती है। रेखा एमंगला हुबली हीरीयूर के चिक्कासीद्वावानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 144 के उत्तर-पश्चिम के बिंदु से मिलने के लिए, इमंगला होबली हीरीयूर (टीक्यू) के पालावानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं.131,132 और 133 से होते हुए लगभग 1100 मीटर दक्षिण- पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.55 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चिक्कासीद्वावानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं 83, 82, 86, 138,139 एवं 143 और 155 से होते हुए और सर्वे सं 84,143 की पूर्वी सीमा लगभग 2300 मीटर दक्षिण-पूर्व की ओर जाती है। रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.40 के दक्षिण पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चिक्कासीद्वावानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं.56,48 एवं 47 से होते हुए लगभग 676 मीटर दक्षिण-पूर्व जाती है। इसके बाद रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.41 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चिक्कासीद्वावानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं.40 एवं 41 की पश्चिमी सीमा के लगभग 682 मीटर दक्षिण की ओर जाती है। रेखा सर्वे सं 115, 114, 49, 48 से होते हुए लगभग 3800 मीटर दक्षिण की ओर जाती है और इमंगला होगली, हीरीयूर (टीक्यू) के बरमपुरा ग्राम के सर्वे सं.47 के उत्तर पश्चिम कोने में पहुंचती है और पुनः उसी ग्राम के सर्वेक्षण सं. 44 जाती है और इमंगला होबली, हीरियूर (टीक्यू) के यालाकुरानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 21 के उत्तर-पूर्व कोने में पहुंचती है।</p>
<p><b>दक्षिण :</b></p>	<p>इसके बाद रेखा यालाकुरनहल्ली ग्राम के सर्वे सं.4 (टैंक) के उत्तर-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, कुम्बराघाटा ग्राम के सर्वे सं.1 से होते हुए लगभग 625 मीटर दक्षिण पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा सर्वे सं.17 के दक्षिण-पश्चिम के बिंदु से मिलने के लिए, यालाकुरनहल्ली ग्राम के सर्वे सं.3,5 और 17 से होते हुए लगभग 929 मीटर दक्षिण पूर्व की ओर जाती है। रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम और (टीक्यू) के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, यालाकुरनहल्ली ग्राम के सर्वे सं.7,8 और 9 से होते हुए और तलया होबली होललकेरे (टीक्यू) के कोलल ग्राम के सर्वे सं.25 से होते हुए लगभग 1100 मीटर दक्षिण-पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा कोलल ग्राम के सर्वे सं.152 के दक्षिण-पूर्व के बिंदु से मिलने के लिए, कोलल ग्राम के सर्वे सं .13,18,16,19 एवं113 से होते हुए लगभग 1000 मीटर दक्षिण-पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा तलया होबली होललकेरे (टीक्यू) के तेकालावत्ती ग्राम के दक्षिण-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, कोलल ग्राम के सर्वे सं 115,116,113, और 112 से होते हुए लगभग 2300 मीटर दक्षिण पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा थेकालावत्ती ग्राम के सर्वे सं.79 के उत्तर कोने के बिंदु से मिलने के लिए, थेकालावत्ती ग्राम के सर्वे सं 62,60 और 80 से होते हुए सर्वे सं.131 की दक्षिणी सीमा लगभग 2300 मीटर दक्षिण पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा उसी उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.33 के दक्षिण पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए थेकालावत्ती ग्राम के सर्वे सं 84,87,43,50,51,49,57 और 58 से होते हुए और तलया होबली होललकेरे के संगेनाहल्ली ग्राम</p>

	<p>के सर्वे सं.16 से होते हुए लगभग 3000 मीटर पश्चिम की ओर जाती है। रेखा उपर्युक्त आखिरी सर्वे सं.29 के उत्तर- पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, तलया होबली होललकेरे (टीक्यू) के कनेवेहल्ली ग्राम के सर्वे सं.1 से होते हुए और संगेनाहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 33,32,15,31,30 और 29 से होते हुए लगभग 1300 मीटर उत्तर-पश्चिम की ओर जाती है।</p>
<b>पश्चिम:</b>	<p>इसके बाद रेखा उपर्युक्त सर्वे सं. के उत्तर पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, कानीवेनहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 2, 3 और 4 की पश्चिम सीमा की तरफ लगभग 993 मीटर उत्तर पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा कसवानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 23 के दक्षिण पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, कसवानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं 10, 16, 11,13,12,40,39,43,60,73,74 और 44 से होते हुए लगभग 3100 मीटर उत्तर-पश्चिम की ओर जाती है इसके बाद रेखा उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.231 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा (टीक्यू) के महादेवानाकट्टे ग्राम के सर्वे सं 23,30,28,43,63 और 59 और अन्नेहल ग्राम के सर्वे सं. 20, 19, 12 और 14 से होते हुए और चित्रादुर्गा (टीक्यू) के गोदाबनल ग्राम के सर्वे सं. 346, 329 एवं 328 से होते हुए लगभग 3400 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा उपर्युक्त सर्वे सं.92 के उत्तर-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, गोदाबनल ग्राम के सर्वे सं.231,230 की दक्षिणी सीमा और चित्रादुर्गा (टीक्यू) सोनदेकोला के सर्वे सं 106,107,108,109 और 92 से होते हुए लगभग 2000 मीटर उत्तर-पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा नंदीपुरा ग्राम (टीक्यू) के सर्वे सं.27 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, सोनदेकोला ग्राम के सर्वे सं 195,86 और 80 से होते हुए लगभग 1200 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा सर्वे सं.17 के उत्तर-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, नंदीपुरा ग्राम के सर्वे सं. 27,39,38,34,20,18 और 17 से होते हुए लगभग 2100 मीटर उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा उपर्युक्त ग्राम के सर्वे सं.45 के दक्षिण-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, चित्रादुर्गा (टीक्यू) के ओवेनल्ली के सर्वे सं. 25,26,27 और 1 से होते हुए और चित्रादुर्गा (टीक्यू) के उप्पानायाकानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं. 40 और 39 से होते हुए लगभग 1200 मीटर उत्तर पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा आखिरी उक्त सर्वे सं.34 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, सोनदेकोला ग्राम के सर्वे सं 38,33 और 34 से होते हुए उप्पानायाकानाहल्ली ग्राम के सर्वे सं.40,44,48,1 और 7 से होते हुए लगभग 1900 मीटर पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा पंडराल्ली ग्राम चित्रादुर्गा (टीक्यू) के सर्वे सं.11 के उत्तर-पूर्व कोने के बिंदु से मिलने के लिए, सोनदेकोला ग्राम के सर्वे सं.26,24 एवं 19 से होते हुए और गोदाबनल ग्राम के 204, 205, 201,182 से होते हुए लगभग 2500 मीटर उत्तर- पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा जानूकोंदा ग्राम के सर्वे सं.118 के दक्षिण-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, पंडराल्ली ग्राम के सर्वे सं.10 और 8 से होते हुए लगभग 1100 मीटर उत्तर-पश्चिम की ओर जाती है। इसके बाद रेखा सर्वे सं.92 के उत्तर-पश्चिम कोने के बिंदु से मिलने के लिए, जानूकोंदा ग्राम के सर्वे सं. 118,114,113,112,111,102 और 92 से होते हुए लगभग 1400 उत्तर-पूर्व की ओर जाती है। इसके बाद रेखा आरंभिक बिंदुसे मिलने के लिए, जानूकोंदा ग्राम के सर्वे सं. 87,84,82,81,79 और 78 से होते हुए लगभग 992 मीटर उत्तर की ओर जाती है।</p>

अनुलग्नक- IIक

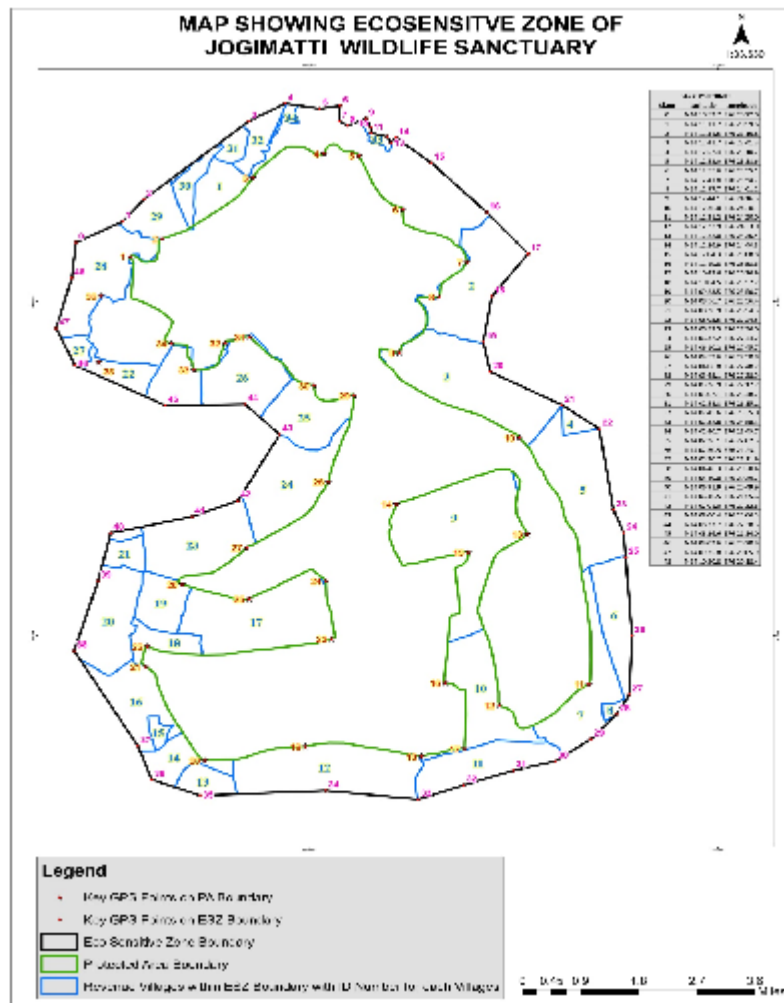
जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के गूगल मानचित्र सहित मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर



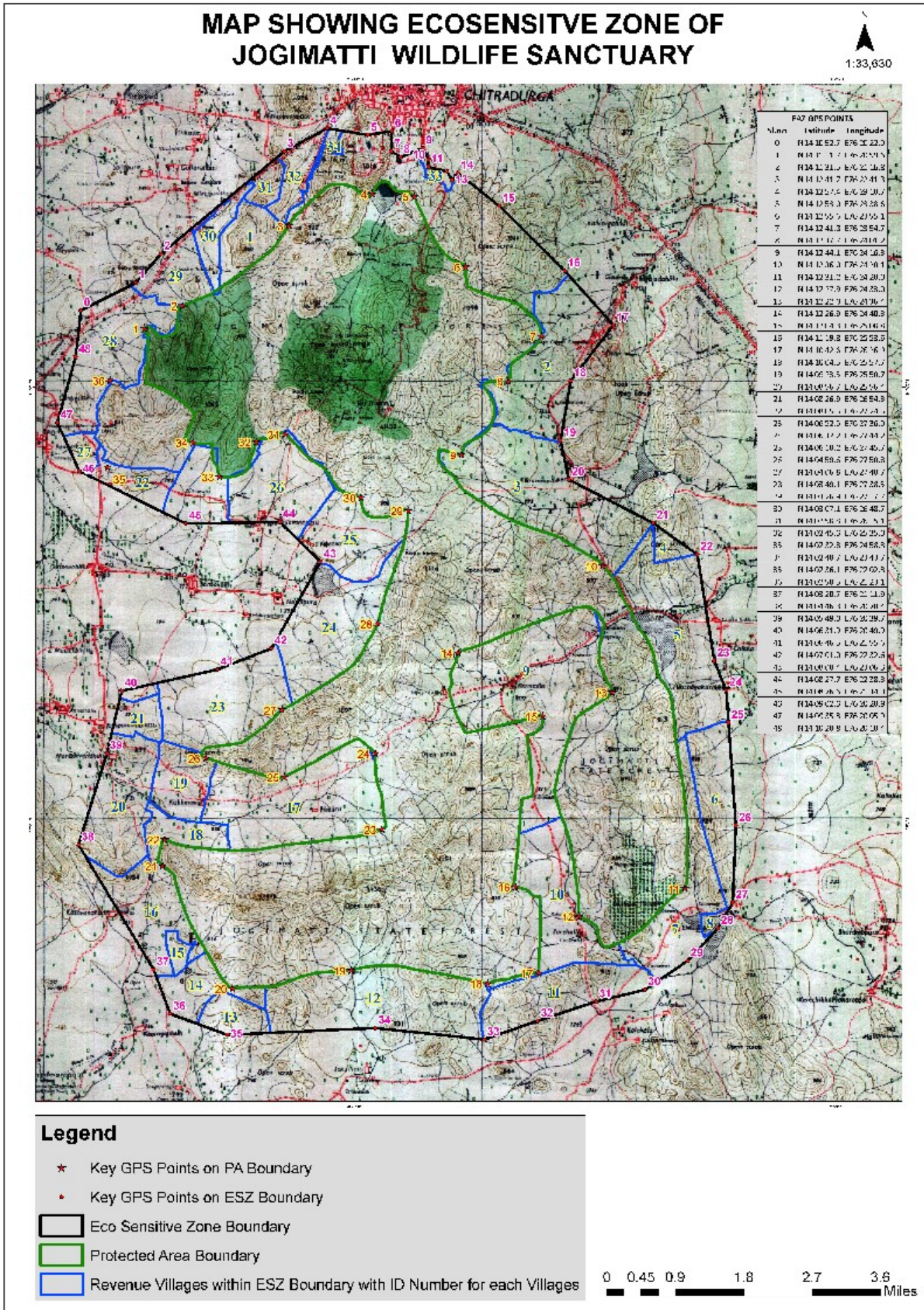


अनुलग्नक- IIख

जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के गूगल मानचित्र सहित मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर



जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मानचित्र सहित भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर



## अनुलग्नक-III

सारणी क: जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

मानचित्र आई डी	देशांतर (पू)			अक्षांश (उ)		
	डिग्री	मिनट	सेकेंड	डिग्री	मिनट	सेकेंड
1	76	21	5.53	14	10	40.55
2	76	21	31.56	14	10	56.27
3	76	22	44.53	14	11	51.05
4	76	23	41.85	14	12	12.69
5	76	24	10.45	14	12	10.98
6	76	24	45.82	14	11	22.79
7	76	25	37.64	14	10	35.29
8	76	25	14.87	14	10	4.32
9	76	24	42.88	14	9	13.98
10	76	26	19.74	14	7	57.77
11	76	27	15.92	14	4	16.58
12	76	26	3.57	14	3	57.46
13	76	26	26.13	14	6	31.10
14	76	24	40.64	14	6	58.23
15	76	25	38.64	14	6	14.82
16	76	25	19.94	14	4	17.63
17	76	25	35.56	14	3	18.63
18	76	25	0.79	14	3	11.58
19	76	23	27.10	14	3	20.47
20	76	22	5.78	14	3	8.06
21	76	21	18.05	14	4	32.11
22	76	21	19.45	14	4	50.33
23	76	23	48.23	14	4	57.17
24	76	23	43.68	14	5	49.21
25	76	22	41.60	14	5	33.04
26	76	21	47.57	14	5	46.02
27	76	22	39.73	14	6	19.17



28	76	23	45.56	14	7	18.16
29	76	24	6.46	14	8	35.72
30	76	23	34.01	14	8	44.72
31	76	22	42.07	14	9	28.12
32	76	22	22.23	14	9	22.76
33	76	21	56.90	14	8	58.84
34	76	21	34.02	14	9	23.67
35	76	21	39.27	14	9	43.03
36	76	21	5.89	14	10	3.53

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

स्टेशन	निर्देशांक	दूरी	उत्तरी	पूर्वी
0-1	63°	1.3 किलोमीटर	उ14 10 52.7	पू76 20 22.0
1-2	40°	800 मीटर	उ14 11 11.7	पू76 20 59.6
2-3	49°	3.3 किलोमीटर	उ14 11 31.5	पू76 21 16.8
3-4	61°	1.0 किलोमीटर	उ14 12 41.7	पू76 22 41.3
4-5	99°	848 मीटर	उ14 12 57.4	पू76 23 10.7
5-6	81°	500 मीटर	उ14 12 53.0	पू76 23 38.6
6-7	182°	428 मीटर	उ14 12 55.6	पू76 23 55.1
7-8	122°	232 मीटर	उ14 12 41.8	पू76 23 54.7
8-9	67°	493 मीटर	उ14 12 37.7	पू76 24 01.2
9-10	156°	274 मीटर	उ14 12 44.1	पू76 24 16.3
10-11	180°	148 मीटर	उ14 12 36.0	पू76 24 20.1
11-12	105°	402 मीटर	उ14 12 31.2	पू76 24 20.0
12-13	151°	208 मीटर	उ14 12 27.9	पू76 24 33.0
13-14	38°	190 मीटर	उ14 12 22.0	पू76 24 36.4
14-15	129°	1.1 किलोमीटर	उ14 12 26.9	पू76 24 40.3
15-16	136°	1.9 किलोमीटर	उ14 12 04.3	पू76 25 08.8
16-17	139°	1.5 किलोमीटर	उ14 11 19.8	पू76 25 53.6
17-18	217°	1.5 किलोमीटर	उ14 10 42.6	पू76 26 26.9
18-19	189°	1.3 किलोमीटर	उ14 10 04.5	पू76 25 57.7
19-20	168°	846 मीटर	उ14 09 23.5	पू76 25 50.7
20-21	118°	2.0 किलोमीटर	उ14 08 56.7	पू76 25 56.4
21-22	126°	1.1 किलोमीटर	उ14 08 26.9	पू76 26 54.3
22-23	171°	2.3 किलोमीटर	उ14 08 05.5	पू76 27 24.5
23-24	159°	676 मीटर	उ14 06 52.5	पू76 27 36.0

24-25	176°	682 मीटर	उ14 06 32.2	पू76 27 44.2
25-26	176°	2.2 किलोमीटर	उ14 06 10.2	पू76 27 45.7
26-27	182°	1.6 किलोमीटर	उ14 04 59.6	पू76 27 50.8
27-28	209°	625 मीटर	उ14 04 06.8	पू76 27 48.7
28-29	222°	929 मीटर	उ14 03 49.1	पू76 27 38.5
29-30	235°	1.1 किलोमीटर	उ14 03 26.9	पू76 27 17.7
30-31	256°	1.0 किलोमीटर	उ14 03 07.1	पू76 26 48.7
31-32	251°	1.3 किलोमीटर	उ14 02 58.8	पू76 26 15.1
32-33	250°	1.2 किलोमीटर	उ14 02 45.6	पू76 25 35.0
33-34	276°	2.3 किलोमीटर	उ14 02 32.8	पू76 24 58.3
34-35	267°	3.0 किलोमीटर	उ14 02 40.7	पू76 23 43.7
35-36	291°	1.3 किलोमीटर	उ14 02 36.1	पू76 22 02.3
36-37	340°	993 मीटर	उ14 02 50.5	पू76 21 23.1
37-38	330°	3.1 किलोमीटर	उ14 03 20.7	पू76 21 11.9
38-39	17°	2.0 किलोमीटर	उ14 04 46.3	पू76 20 20.4
39-40	13°	1.4 किलोमीटर	उ14 05 49.0	पू76 20 39.7
40-41	77°	2.0 किलोमीटर	उ14 06 31.9	पू76 20 49.9
41-42	68°	1.2 किलोमीटर	उ14 06 46.5	पू76 21 55.6
42-43	29°	2.1 किलोमीटर	उ14 07 01.0	पू76 22 32.6
43-44	315°	1.2 किलोमीटर	उ14 08 00.4	पू76 23 06.3
44-45	269°	1.9 किलोमीटर	उ14 08 27.7	पू76 22 38.3
45-46	297°	2.5 किलोमीटर	उ14 08 26.6	पू76 21 34.0
46-47	336°	1.1 किलोमीटर	उ14 09 02.6	पू76 20 20.9
47-48	15°	1.4 किलोमीटर	उ14 09 35.8	पू76 20 05.9
48-00	6°	992 मीटर	उ14 10 20.8	पू76 20 18.4

## अनुलग्नक-IV

जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची सहित भू-निर्देशांक

क्र.सं.	ग्राम नाम	तालुक	क्षेत्र (हेक्टेयर)	देशांतर			अक्षांश		
				डिग्री	मिनट	सेकेंड	डिग्री	मिनट	सेकेंड
1	चित्रादुर्गा कस्बा	चित्रादुर्गा	1136.25	76	27	37.25	14	11	53.51
2	इंगालादलू	चित्रादुर्गा	433.166	76	27	13.22	14	10	16.61
3	कुरुमारादीकेरे	चित्रादुर्गा	597.947	76	27	34.54	14	8	46.82
4	पलाववनहल्ली	हीरियूरु	36.969	76	25	32.66	14	8	10.69
5	चिक्कासीदावानाहल्ली	हीरियूरु	517.294	76	25	48.89	14	7	11.37

6	भरमपुरा	हीरियूरु	234.530	76	25	48.94	14	5	18.16
7	यालाकुरनहल्ली	हीरियूरु	333.050	76	23	46.08	14	4	10.50
8	कुम्बराघाट्टा	हीरियूरु	18.264	76	22	6.79	14	3	53.47
9	केल्लेहदलु	चित्रादुर्गा	753.151	76	21	44.83	14	6	30.06
10	येरेहल्ली	चित्रादुर्गा	356.904	76	21	28.19	14	4	6.32
11	कोलालु	होललकेरे	295.456	76	21	10.01	14	3	4.11
12	थेकलावाट्टी	होललकेरे	550.850	76	22	50.92	14	2	58.33
13	संगनहल्ली	होललकेरे	94.685	76	21	31.46	14	2	49.07
14	कानीवेहाल्ली	होललकेरे	140.549	76	21	30.90	14	3	7.19
15	गोंदीहाल्ली	होललकेरे	30.725	76	20	49.84	14	3	33.14
16	कसवानाहल्ली	होललकेरे	263.207	76	21	2.40	14	4	1.17
17	दोदपुरा	चित्रादुर्गा	582.770	76	21	0.33	14	5	15.96
18	रामपुरा	चित्रादुर्गा	108.519	76	21	55.44	14	4	54.07
19	काककेहरवू	चित्रादुर्गा	163.644	76	23	13.57	14	5	29.34
20	महादेवानाकट्टे	चित्रादुर्गा	328.100	76	23	28.37	14	5	13.63
21	अन्नेहलु	चित्रादुर्गा	76.399	76	22	38.09	14	6	12.90
22	गोदाबनलु	चित्रादुर्गा	124.342	76	20	24.06	14	8	33.18
23	सोंदेकोला	चित्रादुर्गा	558.182	76	20	42.06	14	7	5.33
24	नन्धिपुरा	चित्रादुर्गा	410.885	76	21	27.58	14	7	16.08
25	ओबांनानाहाल्ली	चित्रादुर्गा	261.957	76	21	55.58	14	8	17.18
26	उप्पानाइकनहाल्ली	चित्रादुर्गा	304.153	76	22	29.29	14	8	52.09
27	पंडराहल्ली	चित्रादुर्गा	43.838	76	22	49.82	14	9	16.47
28	जानाकोंदा	चित्रादुर्गा	376.598	76	24	25.83	14	10	23.69
29	जगदलीपुर	चित्रादुर्गा	151.017	76	23	12.73	14	11	16.98
30	अथ्थीकेट्टे	चित्रादुर्गा	85.283	76	27	37.25	14	11	44.37
31	किरूबानाकाल्लु	चित्रादुर्गा	51.923	76	27	13.22	14	12	18.82
32	जे.आई. हुलागुंदी	चित्रादुर्गा	96.579	76	27	34.54	14	12	25.26
33	केलागोटे	चित्रादुर्गा	18.015	76	25	32.66	14	12	26.37
34	निरलागुंधी	चित्रादुर्गा	17.762	76	25	48.89	14	12	45.68
कुल			<b>9552.97</b>						

## अनुलग्नक-V

## जोगीमत्ती वन्यजीव अभयारण्य, कर्नाटक के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का सर्वेक्षण संख्या-वार विवरण

(सर्वेक्षण संख्या पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा से होते हुए जाती है)

क्र.सं.	तालुक	होबली	ग्राम	सर्वेक्षण संख्या
1	चित्रादुर्गा	कस्बा	जनूकोंदा	49,118,114,112,111,102, 92, 87.84, 82, 81, 79, 78, 50, 54, 55, 56
2	चित्रादुर्गा	कस्बा	जगदलीपुरा	8,11, 32,1
3	चित्रादुर्गा	कस्बा	अट्टीकाटे	15, 9, 8, 7, 6, 3
4	चित्रादुर्गा	कस्बा	कीराबानाकल्लू	13,11,10,
5	चित्रादुर्गा	कस्बा	हुलीगुंदी	1, 6,10
6	चित्रादुर्गा	कस्बा	नेरूलागुन्डी	1
7	चित्रादुर्गा	कस्बा	चित्रादुर्गा	15, (106,104,94 केलागोटे), 54, 58, 59, 33
8	चित्रादुर्गा	कस्बा	इंगालादाल	32, 33,15, 26,14, 63,18, 62,19, 58, 90, 59, 63, 31, 24
9	चित्रादुर्गा	कस्बा	कुरुमारादीकेरे	1, 57, 66, 65, 27, 16, 87, 14, 86, 93, 91, 46, 88, 13, 92
10	हीरियूर	इमंगल	पलावानाहाल्ली	131,132,133,136,137
11	हीरियूर	इमंगल	चिक्कासीद्वावानाहल्ली	144, 84,143, 83, 82, 86, 138, 139, 143,155, 56,48, 47,40, 41, 141, 55, 56, 48, 45
12	हीरियूर	इमंगल	यारेहल्ली	65, 240, 236, 235, 66, 1
13	हीरियूर	इमंगल	येलाकुरनहल्ली	21, 4, 3, 5, 17, 8, 9, 10, 2
14	होललकेरे	तलया	कोल्लाला	25,13,18,113,152,115,116,112, 22, 117
15	होललकेरे	तलया	थेकालावत्ती	131, 62, 60, 80, 79, 84, 87, 43, 50, 51, 49, 57, 58, 52, 54, 86
16	होललकेरे	तलया	कनाविहल्ली	13,12, 8,17,1, 2, 3, 4, 7
17	चित्रादुर्गा	कस्बा	कसवानाहल्ली	1, 2, 3, 4, 10, 16, 11, 13, 12, 40, 39, 43, 60, 73, 74, 44, 23, 30, 28, 43, 63, 59, 57
18	चित्रादुर्गा	तलया	संगेनाहल्ली	16, 30, 33, 32, 15, 31, 30, 29, 34, 22,11
19	चित्रादुर्गा	कस्बा	अन्नीहल्ला	20,19,12,14,13,1
20	चित्रादुर्गा	कस्बा	गोदबाहालु	346, 329, 328, 231, 230, 204, 205, 201, 182, 202, 200, 181
21	चित्रादुर्गा	कस्बा	पंदराहल्ली	124, 56,142, 57, 58, 59, 60, 16, 62, 63, 64, 72,73, 75, 94, 95, 104, 105,107, 11, 10, 8
22	चित्रादुर्गा	कस्बा	महादेवानाकाट्टे	23, 71, 29, 28, 30, 40, 43, 42, 41, 59
23	चित्रादुर्गा	कस्बा	सोनदेकोला	106,107,108,109, 92,195, 86, 80, 38, 33, 34.26, 26, 24, 87, 90, 79, 105, 110, 91, 92

24	चित्रादुर्गा	कस्बा	नंदीपुरा	27, 39, 38, 34, 20,18,17,19, 32, 34, 33
25	चित्रादुर्गा	कस्बा	ओबेनाहल्ली	25, 26, 27, 1, 24
26	चित्रादुर्गा	कस्बा	उप्पानायाकानाहल्ली	40, 39, 45, 44, 48, 7, 41, 46, 47, 6, 1

### अनुलग्नक-VI

#### की गई कार्रवाई - सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र : पारिस्थितिकी संवेदी जोन की निगरानी समिति

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का वर्णन करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक अनुलग्नक में प्रस्तुत करें) ।
3. पर्यटन महायोजना सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति ।
4. भू-अभिलेखों की स्पष्ट त्रुटियों के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सार(पारिस्थितिकी-संवेदी जोन वार) । विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें।
5. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार।(विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
6. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार । (विवरण एक पृथक अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।



**MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th June, 2021

**S.O. 2185(E).**— The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at [esz-mef@nic.in](mailto:esz-mef@nic.in)

**Draft Notification**

**WHEREAS**, Jogimatti Wildlife Sanctuary is situated in Chitradurga Taluk, Chitradurga district of Karnataka and is lies between 13° 34' 01.5" N latitude and 76° 17' E longitude. The Sanctuary comprises of two sections viz Jogimatti section and Keenedalu section. The area was first constituted as Jogimatti State forest by the Government, his Highness the Maharaja of Mysore vide Notification A.F 144-Ft-142-38-8 dated 8<sup>th</sup> July 1940 u/s 17 of Mysore Forest Act (XI of 1900) to an extent of 38.8 square mile or 10048.97 hectares or 100.48 square kilometres. The forest has now been declared as Jogimatti wildlife Sanctuary vide notification no. FEE 77FWH 2015 Bangalore dated 23<sup>rd</sup> December 2015 by the Forest Ecology and Environment Department, Government of Karnataka;

**AND WHEREAS**, The forests of Jogimatti Wildlife Sanctuary have one of the few wild surviving population of the endangered leopards (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*) peacock (*Pavo Cristatus*) which are endemic to the area and are facing increasing threats from various angles. So in order to protect and conserve such species, highest protection has been provided under schedule-I of Wildlife Protection Act 1972;

**AND WHEREAS**, the major flora available in the Jogimatti Wildlife Sanctuary *Acacia latronum* (hottejali), *Acacia leucophoea* (bili jail), *Acacia pennata* (kaadu seege), *Albizia procera* (belati, safed siris), *Abrus precatorius* (gulganji), *Aloe vera* (lolesara), *Bauhinia pururea* (doddabasavanpada), *Butea monosperma* (muttuga), *Cassia auriculata* (thangadi), *Carissa carandus* (kavale), *Cordia dichotoma* (challe), *Dalbergia latifolia* (rosewood, beete), *Dendrocalamus strictus* (mare bamboo), *Euphorbia nivulia* (kalli), *Erythroxylon monogynum* (devadri, dadyari), *Ficus glomerata* (atti), *Grewia tiliaefolia* (tadasalu, jane), *Gymnosporia Montana* (thondarsi, danti), *Hardwickia binata* (kamara, anjian), *Lantana Camara* (lantana), *Morinda tinctoria* (fadu kumbala), *Melia azadirach* (arebevu, huchbevu), *Nerium adorum* (kanagala), *Pongamia pinnata* (honge, kanige), *Prosopis juliflora* (bellary jail), *Semecarpus anacardium* (geru, marking nut), *Stereospermum chelonoides* (uded), *Terminalia tomentosa* (karimatti), *Terameles nudiflora* (kadbende), *Zizyphus xylpyrus* (gotte), etc;

**AND WHEREAS**, important medicinal plant recorded from the Jogimatti Wildlife Sanctuary are *Acalypha indica*, *Acacia nilotica*, *Albizia lebbek*, *Amaranthus*, *Asparagus racemosus*, *Bambusa arundinacea*, *Cassia fistula*, *Datura innoxia*, *Dodania viscosa*, *Erythrina indica*, *Leucas aspera*, *Mimosa poudica*, *Mirabilis jalapa*, *Murraya koenigii*, *Pandanus fascicularis*, *Plumaria acuminata*, *Psidium guajava*, *Quisqualis indica*, *Sarcostemma acidum* (Roxb.), *Solanum nigrum*, etc;

**AND WHEREAS**, major fauna available in the Jogimatti Wildlife Sanctuary are black buck (*Antelope cervicapra*), common langur (*Presbytis entellus*), common fox (*Vulpes bengalensis*), fruit bat (*Chiroptera*), hyaena (*Hyaena hyaena*), Indian hare (*Lepus nigricollis*), Indian porcupine (*Hystrix indica*), Indian wolf (*Canis lupus pallipes*), jackal (*Canis aureus*), jungle cat (*Felis chaus*), panther (*Panthera pardus*), sloth bear (*Melursus ursinus*), spotted deer (*Axis axis*), wild boar (*Sus scrofa*), ashy wren warbler (*Prinia socialis*), black winged kite (*Elanus caerulus*), blue pigeon (*Columba livia*), black headed oriole (*Oriolus xanthornus*), crow pheasant (*Centropus sinensis*), common myna (*Acridotheres tristis*), cattle egret (*Babulus ibis*), common kingfisher (*Alcedo atthis*), grey wagtail (*Motacilla caspica*), great horned owl (*Bubo bubo*), golden backed wood pecker (*Dinopium benghalensis*), indian robin (*Saxicoloides fulicata*), jungle myna (*Acridotheres fusens*), koel (*Eudynamis scolopacea*), munia (*Lonchura Spp.*), pariah kite (*Milvus migrans*), red turtle dove (*Streptopelia Spp.*), whistling thrush (*Myiophoneus horsfieldii*), chameleon (*Chameleon calcaratus*), krait (*Bangarus ceruleus*), python (*Pythonidae*), etc;

**AND WHEREAS**, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Jogimatti Wildlife Sanctuary which are specified in paragraph 1 as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

**NOW, THEREFORE**, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 575 meters to 1.00 kilometres around the boundary of Jogimatti Wildlife Sanctuary, in Chitradurga district in the State of Karnataka as the Jogimatti Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of the Eco-sensitive Zone.** – (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 575 meters to 1.00 kilometres around the boundary of Jogimatti Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is 95.53 square kilometres.
  - (2) The boundary description of Jogimatti Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I**.
  - (3) The maps of the Jogimatti Wildlife Sanctuary demarcating the Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB** and **Annexure-IIC**.
  - (4) Lists of geo-coordinates of the boundary of Jogimatti Wildlife Sanctuary and the Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure-III**.
  - (5) The list of villages falling in the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV**.
  - (6) The survey number wise detail of Eco-sensitive zone of Jogimatti Wildlife Sanctuary, Karnataka is appended as **Annexure-V**.
2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.**-(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority of State.
  - (2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
  - (3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-
    - (i) Environment;
    - (ii) Forest and Wildlife;
    - (iii) Agriculture;
    - (iv) Revenue;
    - (v) Urban Development;
    - (vi) Tourism;
    - (vii) Rural Development;
    - (viii) Irrigation and Flood Control;
    - (ix) Municipal;
    - (x) Panchayati Raj;
    - (xi) Public Works Department.
  - (4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
  - (5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.
  - (6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places,

horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

- (7) The Zonal Master Plan shall regulate development in the Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.
- (8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.
- (9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

**3. Measures to be taken by the State Government.-** The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

- (1) **Land use.-** (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of Article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph;

(b) efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

- (2) **Natural water bodies.-**The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.
- (3) **Tourism or Eco-tourism.-** (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone;
  - (b) the Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.
  - (c) the Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
  - (d) the Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.
  - (e) the activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
    - (i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

- (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;
  - (iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.
- (4) **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
  - (5) **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
  - (6) **Noise pollution.** - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.
  - (7) **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.
  - (8) **Discharge of effluents.**- Discharge of treated effluent in the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.
  - (9) **Solid wastes.**- Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-
    - (a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8<sup>th</sup> April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;
    - (b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.
  - (10) **Bio-Medical Waste.**- Bio-Medical Waste Management shall be as under:-
    - (a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28<sup>th</sup> March, 2016;
    - (b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.
  - (11) **Plastic waste management.**- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.
  - (12) **Construction and demolition waste management.**- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.

- (13) **E-waste.**- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.**- The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.
- (15) **Vehicular pollution.**- Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.
- (16) **Industrial units.**- (a) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.
- (b) only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
- (17) **Protection of hill slopes.**- The protection of hill slopes shall be as under:-
- (a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;
- (b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.
4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.**- All activities in the Eco-sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

Sl. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
<b>A. Prohibited Activities</b>		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within the Eco-sensitive Zone;
		(b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4 <sup>th</sup> August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21 <sup>st</sup> April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted:  Provided that non-polluting industries shall be allowed within the Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, unless so specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of new or expansion of existing major or minor or mini Hydroelectric project.	Prohibited.

4.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc.	Prohibited.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.
6.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Prohibited.
7.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
8.	Commercial use of firewood.	Prohibited.
9.	Railways, ropeways underground pipelines	Prohibited.
10.	Pipelines and Canals	Prohibited.
11.	Use or production or processing of any hazardous substances	Prohibited.
12.	11a electric fencing	Prohibited.
13.	Setting up of brick kilns.	Prohibited.
<b>B. Regulated Activities</b>		
14.	Commercial establishment of hotels and resorts.	<p>No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities:</p> <p>Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.</p>
15.	Construction activities.	<p>(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:</p> <p>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents such as:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;</li> <li>(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;</li> <li>(iii) small scale industries not causing pollution as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time;</li> <li>(iv) cottage industries including village industries;</li> </ul>

		<p>convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stays; and</p> <p>(v) promoted activities given in paragraph 4:</p> <p>Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.</p>
16.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 as amended from time to time, and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent authority.
17.	Felling of trees.	<p>(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government.</p> <p>(b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.</p>
18.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
19.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
20.	Fencing, compound of commercial hotels or resorts and commercial agricultural and horticultural ventures by companies or firms or corporate houses	Shall be done with mitigation measures, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
21.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
22.	Maintenance of village roads	Regulated as per the applicable laws.
23.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
24.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Use of renewable energy sources for subsistence use.	Permitted under applicable laws for use of locals.
27.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Air pollution by vehicle	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.

29.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
30.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
31.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
32.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
33.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
34.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
35.	Open Well, Borewell, etc. for agriculture and other usages.	Regulated as per the applicable laws.
36.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
<b>C. Promoted Activities</b>		
37.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
38.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
39.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
40.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
41.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
42.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
43.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
44.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
45.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
46.	Restoration of degraded land or forests or habitat.	Shall be actively promoted.
47.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

**5. Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.-** For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

Sl. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(i)	Regional Commissioner, Bengaluru	Chairman, ex officio;
(ii)	Deputy Commissioners, Chitradurga District	Member;
(iii)	Superintend of police - Chitradurga District	Member;
(iv)	Representative of Pollution Control Board	Member;
(v)	Representative of Animal Husbandry Department	Member;
(vi)	Representative of Minor Irrigation Department	Member;
(vii)	One expert in Ecology from reputed institution or university of the State of Karnataka	Member;



(viii)	Representative of Non-governmental Organizations working in the field of natural conservation (including heritage conservation) to be nominated by the Karnataka State Forest Department	Member;
(ix)	Wildlife Warden – any other expert person	Member;
(x)	Deputy Conservator of Forests, Territorial Division, Chitradurga	Member-Secretary.

**6. Terms of reference.** – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be till further orders, provided that the non-official members of the Committee shall be nominated by the State Government from time to time.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14<sup>th</sup> September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14<sup>th</sup> September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31<sup>st</sup> March of every year by the 30<sup>th</sup> June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure IV.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

**7. Additional measures.**– The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

**8. Orders of Supreme Court, etc.**– The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/11/2020-ESZ]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

## ANNEXURE- I

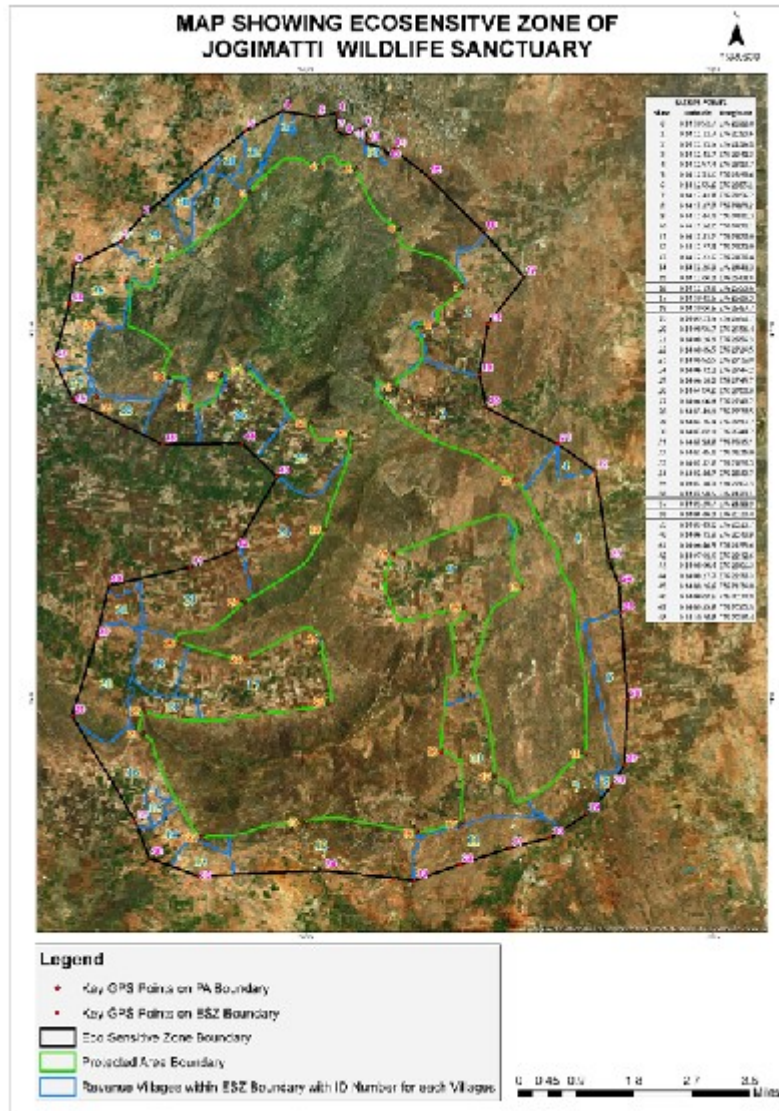
**BOUNDARY DESCRIPTION OF JOGIMATTI WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE  
ZONE IN THE STATE KARNATAKA**

<b>North :</b>	<p>Starting from the South-west Boundary of Sy no 49 of Janukonda of Chitradurga (Tq). Line runs through towards North-east about 1300 Mtrs all along the Holalkere-Chitradurga Road to meet a point at South-west corner of Sy no 8 of Jagadalipura Chitradurga (Tq) Then Line runs towards North-east about 800 Mtrs All along the Holalkere- Chitradurga road to meet a point at Sy no 11 of Jagalipura. Then Line runs Nort-east about 3300 Mtrs through the Sy no 11, 32 and 1 of jagadalipura and Sy no 15, 9,8,7,6 and 3 of Attikatte village of Chitradurga (Tq) and Sy no 13, 11 and 10 of kirabanakallu to meet a point at Northeast corner of Sy no 10 of kirabanakallu. Line runs North-east about 1000 Mtrs Through the Sy no 1,6,10 of huligundi village of Chitradurga ((Tq)) to meet a point at West corner of Sy no 1 of Niralagundi village of same (Tq) . Then line runs slightly South-east through the sy No 1 of Niralagundi and chitradurga fort about 848 mtrs to meet the point at North West corner of sy no 37 of chitradurga. Then line runs slightly North east about 500 mtr's by 810 to meet fort broders throgh the Then line runs South about 428 as along the fort borders mtr's to meet the point at North corner of sy no 12 of Chitradurga. Then line runs South East about 232 mtr's to meet the point North-West corner of Sy no 73 of Chitradurga. Then line runs North-East All along the Northen boundery of 73 about 493 mtr's to meet the point at North corner of sy no 13 of Chitradurga. Then line runs Common boundery of Chitradurga and Kelagote Villges about 1350 mtr's to meet point at westren corner of sy no 54 of Chitradurga. Then Line runs south-east about 3050 mtr's through the sy no 33 of Chitradurga to meet point at North-West corner of Sy No 32 of Ingaladalu Village of Chitradurga (Tq). Then Line runs South-east about 1500 Mtrs through the Syno 32, 33,15 and 26 of Ingaladalu village to meet a point at Sourth west corner of Sy no 14 of Ingaladalu.</p>
<b>East :</b>	<p>Then Line runs towards South-west about 1500 Mtrs Through the Sy no 63, 18 &amp; 19 of Ingaladalu village Chitradurga (Tq) to meet a point at North west Corner of Sy no 62 of Ingaladalu village . Then Line runs Slightly South-west about 1300 Mtrs through the Sy no 58,90,59,61and 62 of Same above Said village meet a point at North west Corner of Sy no 1 of kurumaradikere village of Chitradurga (Tq). Line runs Slightly South-east about 846 Mtrs Through the Sy no 1,57,66 and 65 of kurumaradikere village of Chitradurga (Tq), to meet a point at South-east corner of Sy no 27 of same above said village. Line runs towards South east about 2000 Mtrs Through the Sy no 16,87,14,86,93 ,91 and 46 of kurumaradikere village to meet a point at east corner of Sy no 46 of kurumaradikere village. Line runs towards South-east about 1100 Mtrs Through the Sy no 131,132and 133 of Palavanahalli village of Imangala hobli Hiriyyur ((Tq)) to meet a point at North west corner of Sy no 144 of Chikkasiddavanahalli village of Aimangala hobli Hiriyyur ((Tq)) . Then Line runs towards South-east about 2300 Mtrs Eastrn Boundary of Sy no 84,143 and Through the Sy no 83, 82, 86, 138,139 &amp; 143 and 155 of Chikkasiddavanahalli village to meet a point at South west corner of Sy no 55 of Same above said village . Line runs South-east about 676 Mtrs Through the Sy no 56,48 &amp; 47 of Chikkasiddavanahalli Village to meet a point At South west corner of Sy no 40 of Same Above said village. Then Line runs towards South About 682 Mtrs of westran Boundary of Sy no 40 &amp; 41 of Chikkasiddavanahalli village to meet a point at South west corner of Sy no 41 of Same above said village. Line runs towards South about 3800 Mtrs through the Sy no 115, 114, 49, 48 and reaches north west corner of survey No 47 of Barampura Village, of Imangala hobli, Hiriyyur (Tq) and continues to survey No. 44of same village and reaches South-east corner of Sy No 21 of Yalakuranahalli village of Imangala hobli, Hiriyyur (Tq)</p>
<b>South :</b>	<p>Then line runs towards South west about 625 Mtrs thrugh the Sy. no 1 of Kumbaraghatta village to meet a point at North-east corner of Sy. no 4 (tank) of Yalakuranahalli village. Then Line runs towards South-west about 929 Mtrs Through the Sy.No 3,5 and 17 of yalakuranahalli village to meet a point at Souths-west corner of Sy no 17. Line runs towards south west about 1100 Mtrs through the Sy no7, 8 and 9 of yalakuranahaali village and through the Sy no 25 of kolal village of talya hobli Holalkere (Tq) to meet a</p>

	<p>point at South-west corner of Same above said village and (Tq) . Then Line runs towards South-west about 1000 Mtrs through the Sy no 13, 18, 16, 19, &amp; 113 of the Kolal village to meet a point at South-east corner of Sy no 152 of Kolal village. Then Line runs towards South-west about 2500 Mtrs through the Sy no 115,116,113, and 112 of kolal village to meet a point at South-east corner of Tekalavatti village of talya hobli holalkere (Tq). Then Line runs towards slightly South west About 2300 Mtrs Southern Boundary Sqy no 131 and through the Sy no 62,60 and 80 of Thekalavatti village to meet a point at North corner of Sy no 79 of Thekalavatti village . Then Line runs towards west about 3000 Mtrs through the Sy no 84,87,43,50,51,49,57and 58 of Thekalavatti village and through the Sy no 16 of Sangenahaali village of talya hobli Holalkeree (Tq) to meet a point at South-east corner of Sy no 33 of same above said village. Line runs towards North west about 1300 Mtrs through the Sy no 33,32,15,31,30 and 29 of Sangenahalli village and through the Sy no 1 of Kanevehalli village Talya hobli Holalkeree (Tq) to meet a point at north west corner of above last said Sy no 29.</p>
<p><b>West :</b></p>	<p>Then Line runs tovars north west about 993 Mtrs Western Boundary of Sy 2,3 and 4 of Kanivenhalli village to meet a point at North west corner of above last said Sy no. Then Line runs towards North west about 3100 Mtrs Through the Sy no 10, 16 , 11,13,12,40,39,43,60,73,74and 44 of kasavanahalli village to meet a point at South-west Corner of Sy no 23 of kasavanahalli village. Then Line runs towards North-east about 3400 Mtrs Through the Sy no 23,30,28,43,63 and 59 of Mahadevanakatte village and Sy no 20, 19 ,12 and 14 of annehal village of chitradurga (TQ) and through the Sy no 346 ,329 &amp; 328 of Godabanal village of Chitradurga (Tq) to meet a point at South-west Corner of Sy no 231 of Above said village . Then Line runs towards North-west about 2000 Mtrs Southern Boundary of Sy no 231,230 of Godabanal village and Through the Sy no 106,107,108,109 and 92 of Sondekola Chitradurga (Tq) to meet a point at North-east Corner of Sy no above last said Sy no 92 Then Line runs towards North east about 1200 Mtrs Through the Sy no 195,86 and 80 of Sondekola village to meet a point at South west Corner of Sy no 27 of nandipura village Same (Tq). Then Line runs towards North east about 2100 Mtrs Through the Sy no 27,39,38,34,20,18 and 17 of Nandipura village to meet a point at North-east Corner of Sy 17 .Then Line runs towards North west about 1200 Mtrs Through the Sy no 25,26,27 and 1 of Obenalli of Chitradurga (Tq) and through the Sy no 40 and 39 of Uppanayakanahalli village Chitradurga (Tq) to meet a point at South-East Corner of Sy no 45 of above said village .Then Line runs towards west about 1900 Mtrs Through the Sy no 40,44,48,1 and 7 of Uppanyakanahalli village through the Sy no 38,33 and 34 of Sondekola village to meet a point at north-west Corner of Last said Sy no 34 Then Line runs towards North-west about 2500 Mtrs Through the Sy no 26 , 24 &amp; 19 of sondekola village and through the Sy no 204,205,201,182 of godabanal village to meet a point at north-east Corner of Sy no 11 of Pandralli village Chitradurga (Tq).Then Line runs towards North-west about 1100 Mtrs Through the Sy no 10 and 8 pandrahalli village to meet a point at South-west Corner of Sy no 118 of Janukonda village . Then Line runs towards slightly North-east about 1400 Mtrs Through the Sy no 118,114,113,112,111,102 and 92 of Janukonda village to meet a point at last said North West Corner of Sy no 92 .Then Line runs towards north about 992 Mtrs Through the Sy no 87,84,82,81,79 and 78 of janukonda village to meet a Starting point.</p>

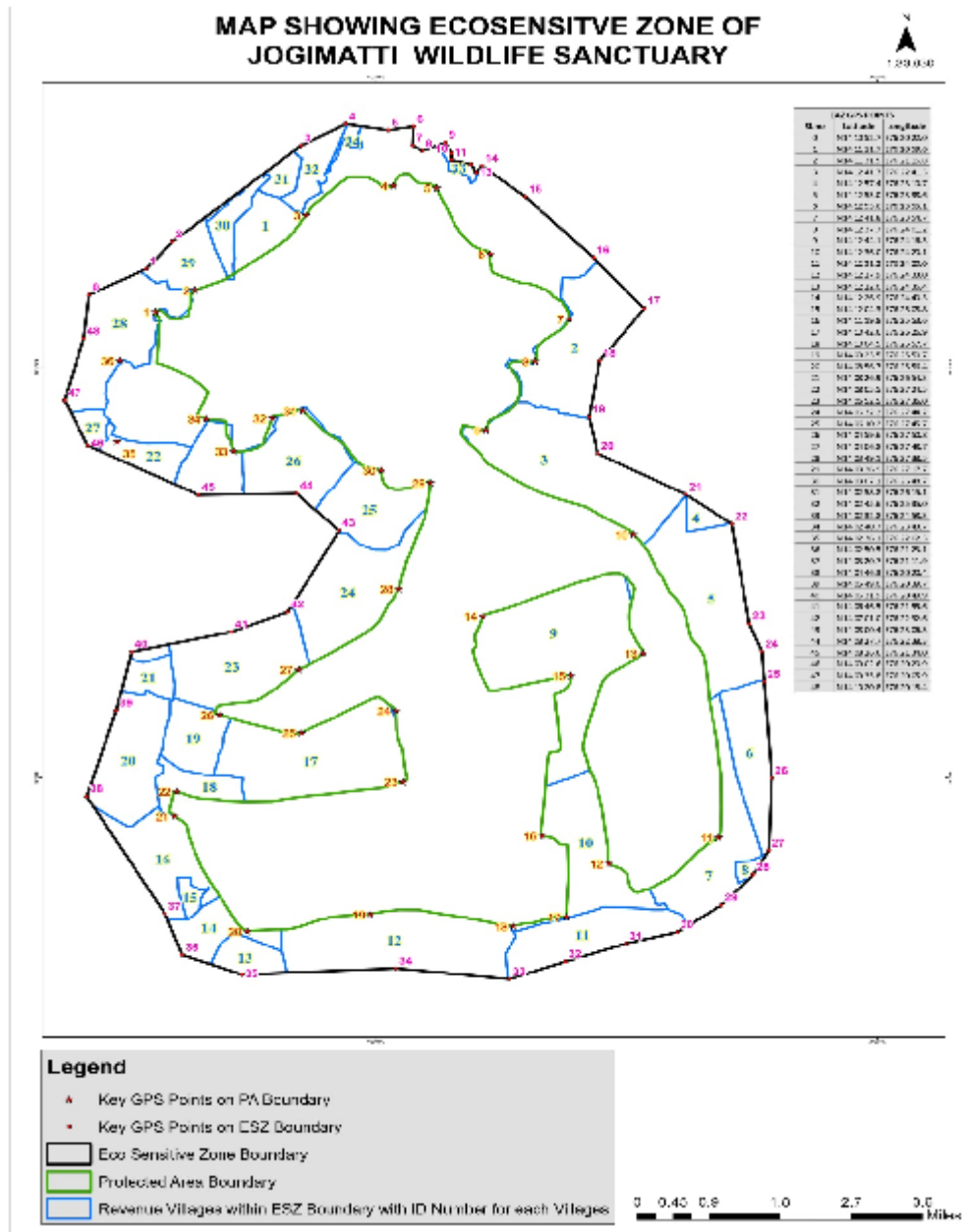
ANNEXURE- IIA

GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF JOGIMATTI WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



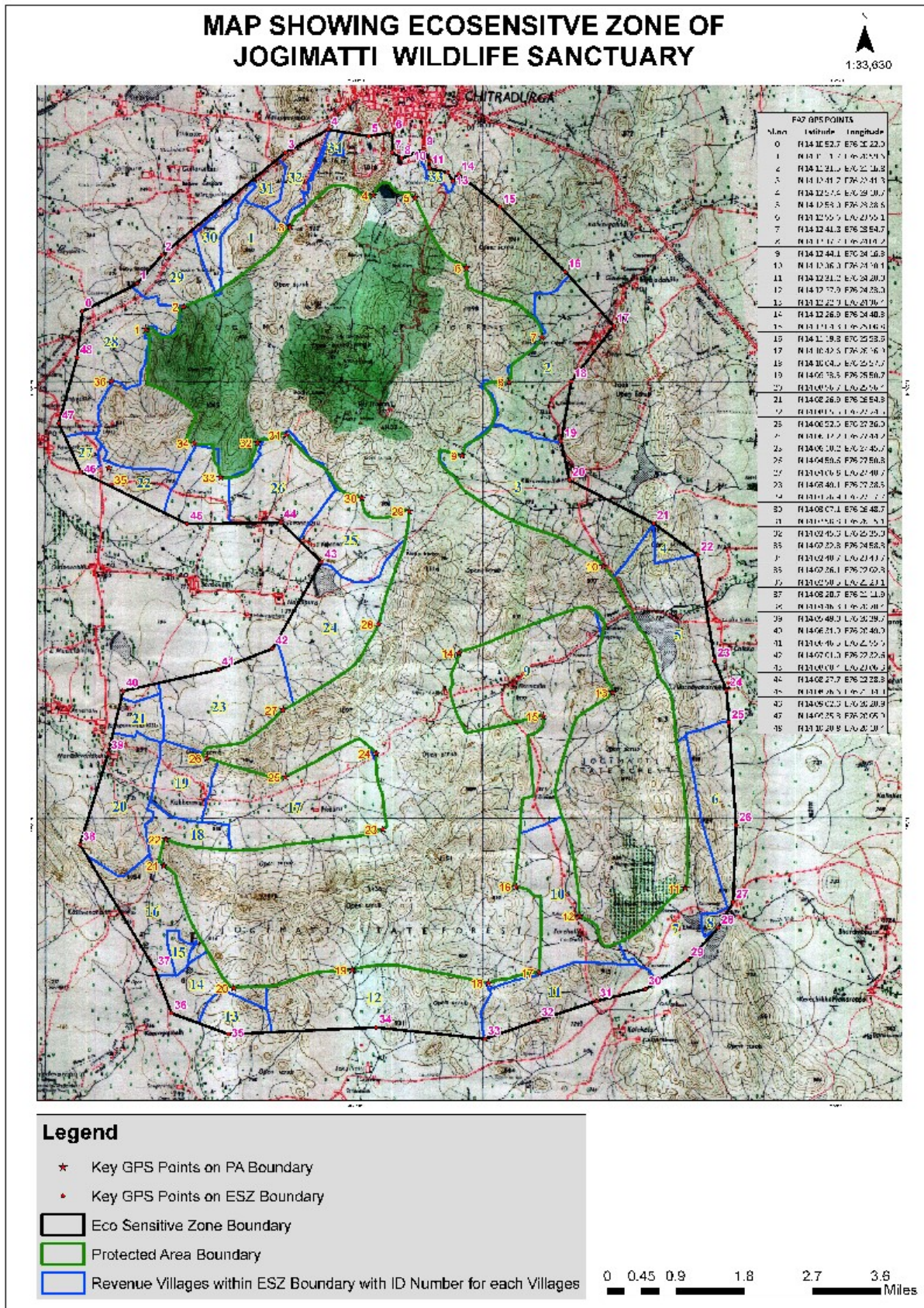
ANNEXURE- IIB

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF JOGIMATTI WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS





MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF JOGIMATTI WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



## ANNEXURE-III

TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF JOGIMATTI WILDLIFE SANCTUARY

Map ID	Longitude (E)			Latitude (N)		
	Degree	Minutes	Seconds	Degree	Minutes	Seconds
1	76	21	5.53	14	10	40.55
2	76	21	31.56	14	10	56.27
3	76	22	44.53	14	11	51.05
4	76	23	41.85	14	12	12.69
5	76	24	10.45	14	12	10.98
6	76	24	45.82	14	11	22.79
7	76	25	37.64	14	10	35.29
8	76	25	14.87	14	10	4.32
9	76	24	42.88	14	9	13.98
10	76	26	19.74	14	7	57.77
11	76	27	15.92	14	4	16.58
12	76	26	3.57	14	3	57.46
13	76	26	26.13	14	6	31.10
14	76	24	40.64	14	6	58.23
15	76	25	38.64	14	6	14.82
16	76	25	19.94	14	4	17.63
17	76	25	35.56	14	3	18.63
18	76	25	0.79	14	3	11.58
19	76	23	27.10	14	3	20.47
20	76	22	5.78	14	3	8.06
21	76	21	18.05	14	4	32.11
22	76	21	19.45	14	4	50.33
23	76	23	48.23	14	4	57.17
24	76	23	43.68	14	5	49.21
25	76	22	41.60	14	5	33.04
26	76	21	47.57	14	5	46.02
27	76	22	39.73	14	6	19.17
28	76	23	45.56	14	7	18.16
29	76	24	6.46	14	8	35.72
30	76	23	34.01	14	8	44.72
31	76	22	42.07	14	9	28.12
32	76	22	22.23	14	9	22.76
33	76	21	56.90	14	8	58.84
34	76	21	34.02	14	9	23.67
35	76	21	39.27	14	9	43.03
36	76	21	5.89	14	10	3.53

**TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE**

STATION	BEARING	DISTANCE	NORTHING	EASTING
0-1	63°	1.3 km	N14 10 52.7	E76 20 22.0
1-2	40°	800 m	N14 11 11.7	E76 20 59.6
2-3	49°	3.3 km	N14 11 31.5	E76 21 16.8
3-4	61°	1.0 km	N14 12 41.7	E76 22 41.3
4-5	99°	848 m	N14 12 57.4	E76 23 10.7
5-6	81°	500 m	N14 12 53.0	E76 23 38.6
6-7	182°	428 m	N14 12 55.6	E76 23 55.1
7-8	122°	232 m	N14 12 41.8	E76 23 54.7
8-9	67°	493 m	N14 12 37.7	E76 24 01.2
9-10	156°	274 m	N14 12 44.1	E76 24 16.3
10-11	180°	148 m	N14 12 36.0	E76 24 20.1
11-12	105°	402 m	N14 12 31.2	E76 24 20.0
12-13	151°	208 m	N14 12 27.9	E76 24 33.0
13-14	38°	190 m	N14 12 22.0	E76 24 36.4
14-15	129°	1.1 km	N14 12 26.9	E76 24 40.3
15-16	136°	1.9 km	N14 12 04.3	E76 25 08.8
16-17	139°	1.5 km	N14 11 19.8	E76 25 53.6
17-18	217°	1.5 km	N14 10 42.6	E76 26 26.9
18-19	189°	1.3 km	N14 10 04.5	E76 25 57.7
19-20	168°	846 m	N14 09 23.5	E76 25 50.7
20-21	118°	2.0 km	N14 08 56.7	E76 25 56.4
21-22	126°	1.1 km	N14 08 26.9	E76 26 54.3
22-23	171°	2.3 km	N14 08 05.5	E76 27 24.5
23-24	159°	676 m	N14 06 52.5	E76 27 36.0
24-25	176°	682 m	N14 06 32.2	E76 27 44.2
25-26	176°	2.2 km	N14 06 10.2	E76 27 45.7
26-27	182°	1.6 km	N14 04 59.6	E76 27 50.8
27-28	209°	625 m	N14 04 06.8	E76 27 48.7
28-29	222°	929 m	N14 03 49.1	E76 27 38.5
29-30	235°	1.1 km	N14 03 26.9	E76 27 17.7
30-31	256°	1.0 km	N14 03 07.1	E76 26 48.7
31-32	251°	1.3 km	N14 02 58.8	E76 26 15.1
32-33	250°	1.2 km	N14 02 45.6	E76 25 35.0
33-34	276°	2.3 km	N14 02 32.8	E76 24 58.3
34-35	267°	3.0 km	N14 02 40.7	E76 23 43.7
35-36	291°	1.3 km	N14 02 36.1	E76 22 02.3
36-37	340°	993 m	N14 02 50.5	E76 21 23.1
37-38	330°	3.1 km	N14 03 20.7	E76 21 11.9
38-39	17°	2.0 km	N14 04 46.3	E76 20 20.4
39-40	13°	1.4 km	N14 05 49.0	E76 20 39.7
40-41	77°	2.0 km	N14 06 31.9	E76 20 49.9
41-42	68°	1.2 km	N14 06 46.5	E76 21 55.6
42-43	29°	2.1 km	N14 07 01.0	E76 22 32.6
43-44	315°	1.2 km	N14 08 00.4	E76 23 06.3
44-45	269°	1.9 km	N14 08 27.7	E76 22 38.3
45-46	297°	2.5 km	N14 08 26.6	E76 21 34.0
46-47	336°	1.1 km	N14 09 02.6	E76 20 20.9
47-48	15°	1.4 km	N14 09 35.8	E76 20 05.9
48-00	6°	992 m	N14 10 20.8	E76 20 18.4



## ANNEXURE-IV

**LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF JOGIMATTI WILDLIFE  
SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES**

SL No.	Village Name	Taluk	Area in Ha	Longitude			Latitude		
				Degree	Min.	Seconds	Degree	Min.	Seconds
1	Chitradurga Kasaba	Chitradurga	1136.25	76	27	37.25	14	11	53.51
2	Ingaladalu	Chitradurga	433.166	76	27	13.22	14	10	16.61
3	Kurumaradikere	Chitradurga	597.947	76	27	34.54	14	8	46.82
4	Palavvanahalli	Hiriyuru	36.969	76	25	32.66	14	8	10.69
5	Chikkasiddavvanahalli	Hiriyuru	517.294	76	25	48.89	14	7	11.37
6	Bharampura	Hiriyuru	234.530	76	25	48.94	14	5	18.16
7	Yalakooranahalli	Hiriyuru	333.050	76	23	46.08	14	4	10.50
8	Kumbaraghatta	Hiriyuru	18.264	76	22	6.79	14	3	53.47
9	Kallehadlu	Chitradurga	753.151	76	21	44.83	14	6	30.06
10	Yarehalli	Chitradurga	356.904	76	21	28.19	14	4	6.32
11	Kolalu	Holalkere	295.456	76	21	10.01	14	3	4.11
12	Thekalavatti	Holalkere	550.850	76	22	50.92	14	2	58.33
13	Sangenahalli	Holalkere	94.685	76	21	31.46	14	2	49.07
14	Kanivehalli	Holalkere	140.549	76	21	30.90	14	3	7.19
15	Gondhihalli	Holalkere	30.725	76	20	49.84	14	3	33.14
16	Kasavanahalli	Holalkere	263.207	76	21	2.40	14	4	1.17
17	Doddapura	Chitradurga	582.770	76	21	0.33	14	5	15.96
18	Ramapura	Chitradurga	108.519	76	21	55.44	14	4	54.07
19	Kakkeharavu	Chitradurga	163.644	76	23	13.57	14	5	29.34
20	Mahadevanakatte	Chitradurga	328.100	76	23	28.37	14	5	13.63
21	Annehalu	Chitradurga	76.399	76	22	38.09	14	6	12.90
22	Godabanalu	Chitradurga	124.342	76	20	24.06	14	8	33.18
23	Sondekola	Chitradurga	558.182	76	20	42.06	14	7	5.33
24	Nandhipura	Chitradurga	410.885	76	21	27.58	14	7	16.08
25	Obannanahalli	Chitradurga	261.957	76	21	55.58	14	8	17.18
26	Uppanaikanahalli	Chitradurga	304.153	76	22	29.29	14	8	52.09
27	Pandarahalli	Chitradurga	43.838	76	22	49.82	14	9	16.47
28	Janakonda	Chitradurga	376.598	76	24	25.83	14	10	23.69
29	Jagadalipura	Chitradurga	151.017	76	23	12.73	14	11	16.98
30	Atthikatte	Chitradurga	85.283	76	27	37.25	14	11	44.37
31	Kirubanakallu	Chitradurga	51.923	76	27	13.22	14	12	18.82
32	J.I.Hulagundi	Chitradurga	96.579	76	27	34.54	14	12	25.26
33	Kelagote	Chitradurga	18.015	76	25	32.66	14	12	26.37
34	Nirlagundhi	Chitradurga	17.762	76	25	48.89	14	12	45.68
<b>Total</b>			<b>9552.97</b>						

## ANNEXURE-V

**SURVEY NUMBER WISE DETAILS OF ECO-SENSITIVE ZONE OF JOGIMATTI WILDLIFE  
SANCTUARY, KARNATAKA**

(Eco-sensitive Zone border line passes through Survey number's)

Sl. No.	Taluk	Hobli	Village	Survey Numbers
1	Chitradurga	Kasaba	Jankonda	49, 118, 114, 112, 111, 102, 92, 87.84, 82, 81, 79, 78, 50, 54, 55, 56
2	Chitradurga	Kasaba	Jagadalipura	8, 11, 32, 1
3	Chitradurga	Kasaba	Attikatti	15, 9, 8, 7, 6, 3
4	Chitradurga	Kasaba	Kirubanakallu	13, 11, 10
5	Chitradurga	Kasaba	Huligundi	1, 6, 10
6	Chitradurga	Kasaba	Neerulagundi	1

7	Chitradurga	Kasaba	Chitradurga	15, (106, 104, 94 kelagote), 54, 58, 59, 33
8	Chitradurga	Kasaba	Ingaladal	32, 33, 15, 26, 14, 63, 18, 62, 19, 58, 90, 59, 63, 31, 24
9	Chitradurga	Kasaba	Kurumaradikere	1, 57, 66, 65, 27, 16, 87, 14, 86, 93, 91, 46, 88, 13, 92
10	Hiriyur	Imangal	palavanahalli	131, 132, 133, 136, 137
11	Hiriyur	Imangal	Chikkasiddavvanahal	144, 84, 143, 83, 82, 86, 138, 139, 143, 155, 56, 48, 47, 40, 41, 141, 55, 56, 48, 45
12	Hiriyur	Imangal	Yarehalli	65, 240, 236, 235, 66, 1
13	Hiriyur	Imangala	Yelakurnahalli	21, 4, 3, 5, 17, 8, 9, 10, 2
14	Holakere	Talya	Kollala	25, 13, 18, 113, 152, 115, 116, 112, 22, 117
15	Holalkere	Talya	Tekalavatti	131, 62, 60, 80, 79, 84, 87, 43, 50, 51, 49, 57, 58, 52, 54, 86
16	Holalkere	Talya	Kanavihalli	13, 12, 8, 17, 1, 2, 3, 4, 7
17	Chitradurga	Kasaba	Kasavanahalli	1, 2, 3, 4, 10, 16, 11, 13, 12, 40, 39, 43, 60, 73, 74, 44, 23, 30, 28, 43, 63, 59, 57
18	Chitradurga	talya	sangenahalli	16, 30, 33, 32, 15, 31, 30, 29, 34, 22, 11
19	Chitradurga	Kasaba	Annihalla	20, 19, 12, 14, 13, 1
20	Chitradurga	Kasaba	Godbahalu	346, 329, 328, 231, 230, 204, 205, 201, 182, 202, 200, 181
21	Chitradurga	Kasaba	Pandrahalli	124, 56, 142, 57, 58, 59, 60, 16, 62, 63, 64, 72, 73, 75, 94, 95, 104, 105, 107, 11, 10, 8
22	Chitradurga	Kasaba	Mahadevanakatte	23, 71, 29, 28, 30, 40, 43, 42, 41, 59
23	Chitradurga	Kasaba	Sondekola	106, 107, 108, 109, 92, 195, 86, 80, 38, 33, 34.26, 26, 24, 87, 90, 79, 105, 110, 91, 92
24	Chitradurga	Kasaba	Nandipura	27, 39, 38, 34, 20, 18, 17, 19, 32, 34, 33
25	Chitradurga	Kasaba	Obenahalli	25, 26, 27, 1, 24
26	Chitradurga	Kasaba	Uppanyakanahalli	40, 39, 45, 44, 48, 7, 41, 46, 47, 6, 1

## ANNEXURE –IV

**Performa of Action Taken Report: Eco-sensitive Zone Monitoring Committee**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.